

DPN 5733

Title: दुर्गा संपूर्ण / DURGĀ SAMPŪRṆA

Run. No. 6424

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र hymn

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 27 x 7

Folios 3

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

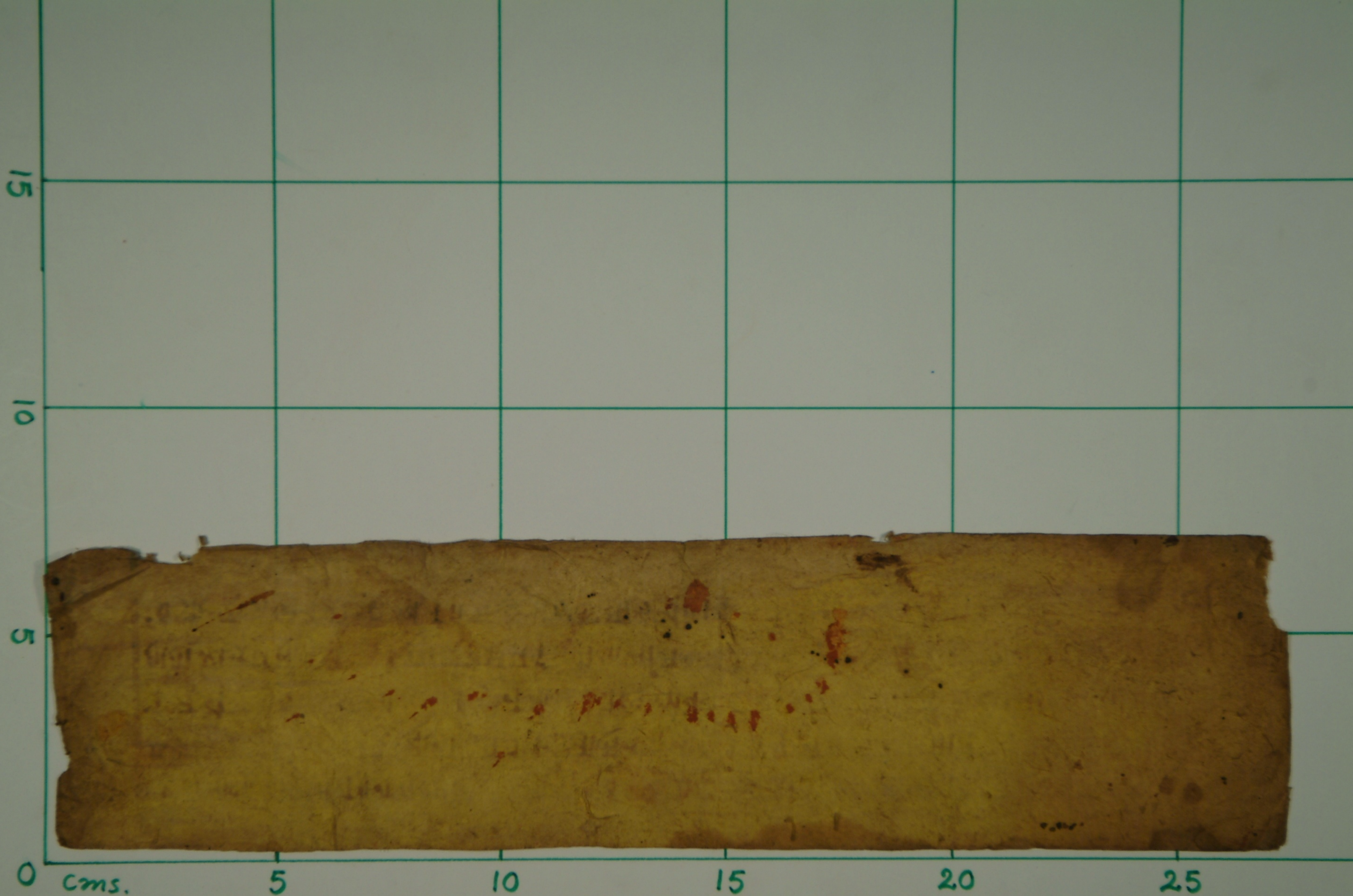
Illus. :

Material: palmleaf / paper / thyasaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon:

ॐ नमो लोके नाथाय ॥ नमः सदित्रे जगदेक वसुके ॥
दुर्गा संपूर्ण समाप्त ॥



ॐ नमो लोकाय ॥ नमः सवित्रे जगदकवक्रके ॥ जगत्सृष्टि कृतिना सका नदतव वतयी मया यति
 मुन्यस्यैकवितीः विविचि नानायनगक्रासन ॥ नमो दवायः नमस्तु यगममिन वनमा विष्णु गनीना
 य नूडी नूपाय नमः ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय नमः ॥ हनम्प नमदव कार्य सिद्धि विनायकं ॥
 साता अरूप संपन्नं दहिमसुख संपदं ॥ गलानां गलपति ॥ बगजव कुं तिला यनः मना वीका सि
 द्वि श्रु पृथिता नगला श्वरं ॥ यस्य साता उमा दवी पिताय स्य वश क्रान्ता मुख को वायलाना यस्त

सामापातु विनायकं ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय ॥ मरुकां शनद्वानां गवां काठिगतं नपि म पशु काठिउ
 नगनां तरु लं गिवदजनं ॥ ॐ नमो गवते वासुदेवाय ॥ नानायनं नमस्तु ननं ववनना
 कर्म वदवी सन श्यती ये वतता जयमदि नयत् ॥ यस्य रुक्म गजवक्रं गनुजयस्य वारुनं समकनातु
 कल्याणं पद्मना हा जना दर्शनं ॥ ॐ नमो श्री गणेशाय ॥ नमो गणेशाय ॥ नमो गणेशाय ॥ नमो गणेशाय ॥
 दीवलो गिन आगत गुणं पवित्रं त्रु कर्कलं ॥ वाग्मर्त्या स्नानमातुल सर्वपाप प्रमूयते ॥ पदप

देवमधस्य रुलं या प्रातिमानवः॥ ॐ नमो तुलसीदेव्यै ॥ देवे सुनिर्मिता पूर्वमर्थिता
 सुसूनी ज्येष्ठे ॥ नमो नमस्तु तुलसी पापहृन् ह निष्ठिय ॥ तुलसी जापयात मुतिरुता ॥ ॐ नमो ॥
 ॐ नमो गवते वासुदेवाय ॥ वदन्तु नरैर्जगन्निवहते हृत्पद्मसूद्विजुते देव्यं दानयत वलिकूल
 यते ॥ कृष्णकृष्णकृष्णं यो लस्य जयते हलमेक लयते को न लस्यतात वते हृत्पद्मसूद्विजुते
 दशकृत्ति कृत्त कृष्णाय तुल्यं नमः ॥ कृष्णाय वासुदेवाय देवकी नन्दनायक नन्दपद्मपद्मा

का क कासु निद विः व को द विः व पावति ॥ ध्रुव विद विः तल निप्लान ॥ य रुद्रि पद विः उ र्हेत
 ला ॥ अ कासु द विः कामि नि ॥ पाताय द विः ना ग नि ॥ व न द विः वा य नि ॥ ल न द विः सि य नि ॥ मि तु म
 द द विः म क्क द स ॥ सर्व क ल द विः दूर्ज म् त्रा सि ति ॥ प द व य न द विः दू ल प ति ॥ न म द ल द विः
 सु व त सि ता ॥ न व न व न द वि म ना धा ति ॥ रु द्र द विः रु त य ति ॥ वा न द विः व त य ति ॥ प व ध्म य ॥
 ॐ ल ल ल ल ल नि ॥ ज ति रु ति कृ प ति म न क ल नि ॥ ज ग द विः जा ग म् वा ति ॥ पु य पू लान पु म् म

लि॥ य क इ य तिनः हल क र जा नि॥ ति नि हू व न क्षायः ॐ श्रु प व तिः य क स ज न सि॥ क ल नि ह र्या ॥ ल
 मा ज्ञा र्त्वा लं गि॥ ज तै ना ग र ग ल क द वि॥ पू र ह स क द व॥ वा य हि न ना सि वा ल ह का था॥ वा ला सि र्व ल ३
 व ति के॥ जोगि नि ज ग र क मा या॥ उ र त क पा ला या॥ ज ह ल पा या॥ श्व र स ॐ क्त्वा॥ य नु दि ग ला ति स ॥
 या॥ का म द स का मू क्त्वा द वि॥ नि स पु व त द वि॥ नि वा सि नि॥ जे थ न थ य॥ इ ज्ञे स पू न स मा फ ॥
 इ ज्ञे स पू न स मा फ ॥ शु र ॥